सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 299 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 7 दिसम्बर, 2024

मूल्य ₹ 3/-

अपना भाग्य स्वयं नियंत्रित करिए नहीं तो कोई और करने लगेगा।

-जैक वेल्च

कंगारूओं ने भारत पर ली 80 रन... 7 | नीतीश कुमार बनने का शिंदे का... 3 | संविधान को ध्यान में रखकर बनाया... 2

एनडीए सरकार की नीतियों से देश में कोहराम!

किसान, छात्र और नौजवान सब परेशान

विपक्षी नेता बोले- भाजपा देश में नहीं चाहती शांति

» विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा

» महाराष्ट्र में अजित को क्लीनचिट पर भी रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एकबार फिर सियासी माहौल कई मुद्दों को लेकर गरमाया हुआ है। संसद से लेकर सड़क तक भाजपा गठबंधन की एनडीए सरकार व प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष के निशाने पर बने हुए हैं।

विपक्षी नेताओं ने देश व यूपी में किसान आंदोलन, बिहार में छात्रों के प्रदर्शन, संभल हिंसा, नेता प्रतिपक्ष के अपमान व महाराष्ट्र में बेनामी संपत्ति मामले में अजित पवार को बेदाग छोड़ने जैसे मुद्दे को लेकर सरकार पर करारा प्रहार किया है। विपक्ष ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा है देश में मणिपुर से लेकर यूपी आग लगी हुई है पर पीएम मोदी चैन की बंसी बजा रहे हैं। इंडिया गठबंधन के नेता कह रहे दिल्ली, बिहार से लेकर यूपी तक आंदोलन आने वाले समय में बीजेपी को भारी पड़ेंगे।

यूपी, बिहार से लेकर दिल्ली तक प्रदर्शन

यूपी व दिल्ली में किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत है तो बिहार में प्रतियोगी छात्र सड़क पर हैं। यूपी में अन्नदाता अपनी जमीन के मुआवजे की मांग पर योगी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं तो पंजाब, हरियाणा व उत्तरभारत के किसान एमएसपी को लेकर मोदी सरकार को घेर रहे हैं। किसानों ने सरकार से बातचीत करने के लिए रविवार तक का समय दिया है। उधर बीपीएससी में नॉर्मलाइजेशन के खिलाफ पटना में बीते दिन जबरदस्त तरीके से अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था।

महाराष्ट्र में गृह मंत्रालय पर मची है रार

शिवसेना ठोक रही है अपना दावा

आज शनिवार से महाराष्ट्र विधानसभा का तीन दिवसीय विशेष सत्र मुंबई में आयोजित किया जा रहा है । इस विशेष सत्र में नवनिर्वाचित विधायको को शपथ दिलाई जाएगी। बाद में यही विधायक विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तकनागपुर में आयोजित किया जाएगा। तीन दिवसीय विशेष सत्र में 288 विधायकों को दिलाएंगे शपथ दिलाई जाएगी। तीन दिवसीय विशेष सत्र का ऐलान सीएम देवेंद्र फडणवीस ने शपथ लेने के तुरंत बाद कर दिया था।

इस दौरान विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्य (विधायक) शपथ लेंगे। विधायकों के शपथ लेने के बाद 9 दिसंबर को विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा और उसके तुरंत बाद नई सरकार विश्वास मत हासिल करेगी। इसी दरम्यिान मंत्री बने विधायकों के विभागों काबंटवारा होगा। शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना शहरी विकास मंत्रालय अपने पास रखेगी और राजस्व मंत्रालय भी उसे मिल सकता है। महाराष्ट्र में मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 43 मंत्री हो सकते हैं। 'महायुति' गठबंधन के सबसे बड़े घटक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 21-22 मंत्री पद मिलने की उम्मीद है।

बेनामी प्रॉपर्टी मामले में अजित पवार को राहत पर उठे सवाल

महाराष्ट्र में महायुति सरकार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद एनसीपी प्रमुख अजित पवार को बेनामी संपत्ति से जुड़े एक मामले में बड़ी राहत की खबर मिली। दिल्ली की बेनामी संपत्ति ट्रिब्यूनल ने आयकर विभाग द्वारा सीज उनकी संपत्ति मुक्त करने का आदेश दिया है। उधर इस फैसले को लेकर विपक्ष द्वारा सवाल भी उठाया जाना लगा है। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा, भाजपा का मकान ही ऐसा बना है, जो उनके घर में जाता है वो साफ होकर ही निकलता है।वहीं, जो दूर होता है वो बुरी तरह गंदा दिखता है। उनपर बहुत दाग होते हैं। यह कोई नई बात नहीं है कि जो भी भाजपा के साथ गठबंधन करता है, उसे क्लीन चिट मिल जाती है। जो भी भाजपा के साथ गठबंधन नहीं करता है, वह दागी लगता है। वहीं शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा से हाथ मिलाइए सब साफ हो जाता है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से फिर दहली दिल्ली

» राजधानी की कानून व्यवस्था को लेकर आप ने केंद्र पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अपराधों पर लगाम नहीं लग पर रही है। थाना फर्श बाजार इलाके में शनिवार सुबह बदमाशों ने कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी। मामले की सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची। उधर इस वारदात के बाद सियासी हमले भी तेज हो गए हैं। आप ने भाजपा सरकार के गृहमंत्री अमित शाह व दिल्ली पुलिस को घेर लिया है।

वारदात के बाद पूरे विपक्ष ने दिल्ली सरकार ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उधर वारदात में मृतक की पहचान सुनील जैन (52) के रूप में हुई है। डीसीपी शाहदरा, प्रशांत गौतम के मुताबिक, क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया है। आगे की जांच जारी है। बदमाशों ने उस वक्त फायरिंग की जब वह फर्श बाजार के यमुना स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में शनिवार सुबह सैर के बाद घर लौट रहे थे। मृत कारोबारी कृष्णा नगर में रहते थे।

केजरीवाल ने गृहमंत्री शाह को घेरा

शाह ने दिल्ली को जंगल राज बना दिया : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सौरभ भारद्वाज के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए लिखा है अमित शाह जी ने दिल्ली को बर्बाद कर दिया। दिल्ली को जंगल राज बना दिया। चारों तरफ़ लोग दहशत की ज़िंदगी जी रहे हैं। बीजेपी से अब दिल्ली की क़ानून व्यवस्था नहीं संभल रही। दिल्ली वालों को एकजुट होकर आवाज़ उठानी होगी।

क्राइम कैपिटल बनती जा रही दिल्ली : सौरभ भारद्वाज

दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि क्राइम कैपिटल- शाहदरा जिले में सुबह ही गोलियों की आवाज गूंज उठी जब बर्तन व्यापारी संजय जैन मॉर्निंग वॉक करके अपनी स्कूटी से घर की तरफ लौट रहे थे तभी बदमाशों ने रोक कर उन पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। बताया जा रहा है कि 6 से 7 राउंड फायर चले और सभी गोलियां संजय जैन को लगी है।

मॉर्निंग वॉक पर जाते वक्त मारी गोली

शाहदरा जिले के विश्वास नगर में आज सुबह तब दहशत का माहौल हो गया. जब सुनील जैन को दो नकाब पोश लोगों ने आकर ताबड़तोड़ गोलियों से भून डाला. बताया जा रहा है कि सुनील जैन रोज सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए यमुना स्पोर्ट्स क्लब जाया करते थे। उनके साथ रोज के मॉर्निंग वॉक करने वाले साथी रोज की तरह घर वापस जा रहे थे. जब तभी 60 फुटा रोड पर दो अज्ञात लोग आते हैं और उनका नाम पूछते हैं और जैसे ही वह अपना नाम बताते हैं उनके पेट में गोलियां चला देते हैं, एक दूसरा व्यक्ति उनके सर पर बंदूक लगाकर फायर करता है जहां पर उनकी मौके पर ही मौत हो जाती है।

संविधान को ध्यान में रखकर बनाया पीडीए: अखिलेश यादव

» सपा मुखिया ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को किया याद

» बोले- भाजपा सरकार कर रही लोकतंत्र को कमजोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने प्रदेशभर में भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया। राजधानी लखनऊ में सपा मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भारत का संविधान बनाकर देश के गरीबों, दलितों पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं और वंचित वर्गों को उनका हक और अधिकार दिलाने का काम किया। संविधान हम सबके लिए संजीवनी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से संविधान को खतरा है। भाजपा संविधान को कमजोर कर रही है। पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों का हक छीन रही है।

संविधान में दिए आरक्षण को नुकसान पहुंचा रही है। संविधान की मूल भावना से खिलवाड़ कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट करके संविधान और लोकतंत्र बचाने और सामाजिक न्याय के लिए पूरी तरह से संकल्पित है। इस अवसर पर विधानसभा में नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह भी मौजूद रहे। इससे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डीएनए वाले बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वह अपने डीएनए की जांच करवाने के लिए तैयार हैं बशर्ते मुख्यमंत्री भी अपने डीएनए की जांच कराएं।

कांग्रेस संगठन में शुरू हुआ बदलाव का दौर

» यूपी में कांग्रेस की प्रदेश सहित सभी जिला, शहर व ब्लॉक इकाइयां भंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की प्रदेश कमेटी, सभी जिला, शहर और ब्लॉक कमेटी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कमेटी भंग करने का आदेश जारी कर दिया। अब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेशभर में सभी कमेटियां नए सिरे से गठित की जाएंगी। लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में नए सिरे से संगठन के विस्तार की रणनीति बनी थी।

प्रदेश कार्यकारिणी और जिला कार्यकारिणी के विस्तारीकरण की योजना बनी। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कई जिलोंका दौरा भी किया। इस बीच कांग्रेस केंद्रीय कमेटी की बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सभी राज्यों में प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर पर पुनर्गठन का निर्देश दिया। ऐसे में उत्तर प्रदेश में इसकी शुरुआत हो गई है। अब यहां सभी कमेटियां को नए सिरे से गठन किया जाएगा। प्रदेश में लगाए गए सभी छह राष्ट्रीय सचिव, प्रदेश अधक्ष जिलेवार दौरा करेंगे। जिलों के सक्रिय नेताओं को चिन्हित कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपेंगे। प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर की कमेटी को विधानसभा चुनाव के लिए तैयार किया जाएगा। मालूम हो कि अजय राय 17 अगस्त 2023 को प्रदेश अध्यक्ष बने थे और 25 नवंबर को प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की थी। यूपी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी में 16 उपाध्यक्ष, 38 महासचिव और 76 सचिव बनाए गए थे। करीब 67 फीसदी पदाधिकारियों की उम्र 50 साल से कम थे। उदयपुर चिंतन शिविर में की कई घोषणाओं को लागू कर करीब 68 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी पिछड़े और दलितों एवं अल्पसंख्यकों को दी गई थी। प्रदेश कार्यकारिणी में 23 दलित, 22 मुसलमान और 44 ओबीसी वर्ग के नेताओं को शामिल किया गया था।

सुखबीर सिंह पर हुए हमले में पुलिस का हाथ: भूंदड़

» कार्यकारी अध्यक्ष ने की अकाली दल की बैठक

» शिअद पंजाब में लड़ेगा नगर निगम चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अमृतसर में श्री हरिमंदिर साहिब में शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर बादल पर हुए जानलेवा हमले मामले में चंडीगढ़ में अकाली दल की कोर कमेटी की बैठक हुई। कोर कमेटी की बैठक में शिअद ने नगर निगम चुनाव लड़ने का एलान किया है। इस पर अकाली दल जल्द ही अपने प्रत्याशियों की घोषणा के अलावा जमीनी स्तर पर प्रचार को लेकर रणनीति तैयार करेगा।

शिअद के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भूंदड़ ने कहा कि कोर कमेटी ने सर्वसम्मति से नगर निगम चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। वहीं, सुखबीर बादल पर हुए जानलेवा हमले पर भूंदड़, बिक्रम मजीठिया, डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आप सरकार को घेरा है। डॉ. चीमा ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब में इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दिए जाने के दो दिन बीत जाने के बाद भी सरकार के हाथ खाली हैं। मजीठिया ने हमले के दौरान ड्यूटी पर तैनात एसपी पर सवाल उठाते हुए पंजाब सरकार और पुलिस को घेरा है। मजीठिया ने कहा कि श्री हरिमंदिर साहिब के सीसीटीवी फुटेज में एसपी हरपाल सिंह तीन और चार दिसंबर को आतंकी नारायण चौड़ा के लगातार संपर्क में था, लेकिन अमृतसर पुलिस कमिश्नर ने अब तक एसपी हरपाल सिंहह्यह्य से पूछताछ नहीं की है। यहां तक कि मामले में डीजीपी पंजाब गौरव यादव तक चुप्पी साधे हुए हैं।डॉ. चीमा ने कहा कि वह सुखबीर पर हुए हमले के मामले में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर इस केस की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग करेंगे और सीएम भगवंत मान के इस्तीफे की मांग करेंगे।

सरकारों की कथनी-करनी में अंतर: मायावती

डॉ. आंबेडकर परिनिर्वाण दिवस पर बसपा प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रय अध्यक्ष मायावती ने डॉ भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं के नाम संदेश जारी किया। इसमें कहा कि भाजपा और कांग्रेस संविधान के आदर्शों पर चलकर बहुजनों के हित में कार्य नहीं कर रही हैं। उनके दिल में कुछ तथा जुबान पर कुछ और है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस और भाजपा आदि का करीब 75 वर्षों का राजकाज देख लिया है। फिर भी आत्मसम्मान व स्वाभिमान के साथ जीवन जीने और सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक उन्नति का बहुजनों का सपना अधूरा है। ये पार्टियां तथा अफसरशाही साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडे अपनाकर और षडयंत्र कर बसपा और उसके मूवमेंट को कमजोर करने में लगे रहते हैं, जिससे सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के किसान फसल का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार इनके प्रति उदासीन है।

ज्वलंत मुद्दों व जनसमस्याओं की अनदेखी कर रही सरकार

उन्होंने कहा कि आरएसएस एंड कंपनी के लोग देश व राज्यों में राजनीतिक सत्ता पर कब्जा करके संविधान को सही से लागू नहीं होने देने के लिए भाजपा का हर प्रकार से सहयोग करने को तत्पर रहते हैं। ज्वलंत मुद्दों व जनसमस्याओं की अनदेखी करते हैं। लोगों को अधिक बच्चे पैदा करके परिवार ब?ाने की इनकी सलाह वास्तव में भाजपा के केंद्र व राज्य सरकारों की विफलताओं पर पर्दा डालने तथा लोगों का ध्यान बंटाने का ताजा प्रयास लगता है।

लोग स्वतंत्र हैं... जहां चाहें रिश्ता करें

लखनऊ में शुक्रवार को मायावती ने एक्स पर पोस्ट करके पार्टी से निकाले गए नेताओं के कारण के बारे में जानकारी दी। यह भी बताया कि बसपा के पूर्व सांसद मुनकाद अली के लड़के की शादी में बसपा नेताओं को जाने से क्यों रोका गया? उन्होंने लिखा कि शादी में जाने से लोगों को इसलिए रोका गया, क्योंकि मुनकाद अली की लड़की मीरापुर से सपा से विधानसभा का उपचुनाव लड़ रही थीं। उनके खिलाफ बसपा भी यह उपचुनाव लड़ रही थी। ऐसे में शादी में दोनों पार्टियों के लोगों के आपस में टकराने की आम चर्चा थी। इसलिए मजबूरी में यह कदम उठाना पड़ा। लेकिन, इसे दूसरे तरीके से जो प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी लिखा कि रामपुर जिले के पूर्व पार्टी अध्यक्ष सुरेन्द्र सागर व इसके बाद पार्टी अध्यक्ष प्रमोद कुमार का इनसे आपसी झगड़ा चरम पर था। इससे पार्टी के कामों में बाधा आ रही थी। इसीलिए दोनों लोगों को एक साथ निकाला गया। इसका शादी-विवाह से कोई संबंध नहीं है।

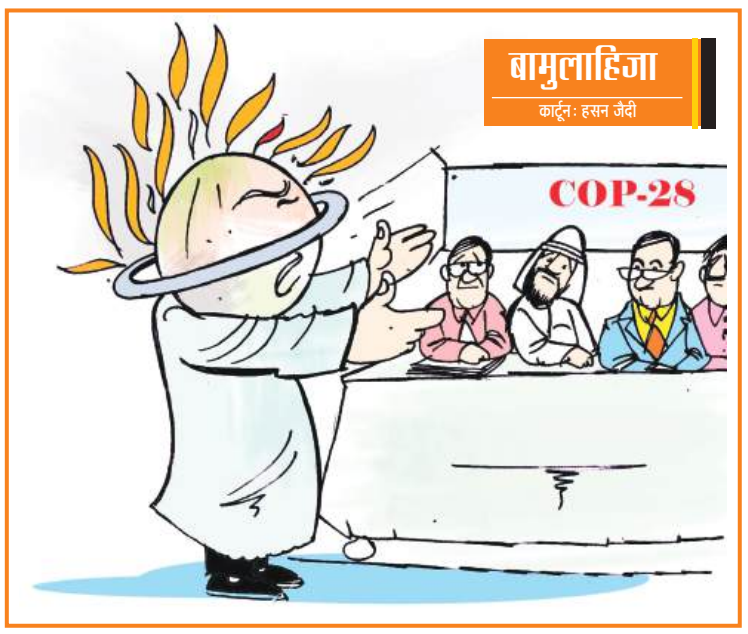

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा पर केस दर्ज करने पर भड़के बेनीवाल

» पूछा- कौन सा राजकार्य बाधित हुआ जो सरकार ने ऐसा किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सवाल किया है कि जयपुर के महेश नगर थाने में राजस्थान सरकार के वरिष्ठ मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ राजकार्य में बाधा का मामला किसके कहने पर दर्ज किया गया?

सांसद बेनीवाल ने कहा कि एसओजी ने राजस्थान में एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर लीक होने के प्रमाण दिए हैं। ऐसे में इस भर्ती को रद्द करवाने की मांग कर रहे मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा के खिलाफ दर्ज मामला समझ से परे है। उन्होंने सवाल उठाया कि आंदोलित छात्रों से जानकारी लेने के प्रयास में आखिर कौन सा राजकार्य बाधित हुआ। बेनीवाल ने यह भी कहा कि एक मंत्री का यह कहना कि सरकार मेरी है, तो क्या मैं अन्याय सहन करूंगा, स्पष्ट करता है कि भाजपा सरकार बेरोजगारों के मुद्दों पर असंवेदनशील है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है।

महाराष्ट्र में नहीं चला बिहार फॉर्मूला!

नीतीश कुमार बनने का शिंदे का सपना टूटा

» अब गृह मंत्रालय पर लगी शिवसेना की नजर

उपमुख्यमंत्री बनकर खुश नहीं हैं एकनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 80 के दशक में आई फिल्म निकाह का एक गीत है दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, मौजूदा वक्त में इस गीत की ये पंक्तियां महाराष्ट्र की सियासत के परिपेक्ष्य में शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के ऊपर बिल्कुल सटीक बैठती हैं। क्योंकि सारे दांव-पेंच आजमाने के बावजूद और इतने शानदार प्रदर्शन के बाद भी एकनाथ शिंदे के हाथ से मुख्यमंत्री की कुर्सी चली गई। अब उन्होंने प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। लेकिन देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही एकनाथ शिंदे के फिर से मुख्यमंत्री बनने के अरमां आंसुओं में ही बह गए। बेशक एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है, लेकिन वो इससे खुश नहीं हैं और उनके चेहरे पर एक उदासी साफ देखी जा सकती है। ये उदासी उस वक्त भी देखने को मिली जब शपथग्रहण समारोह में शिंदे ने शिरकत की और देवेंद्र फडणवीस के बाद दूसरे नंबर पर शपथ ली।

एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनने का सपना पाले बैठे एकनाथ शिंदे ने अपने इस ख्वाब को हकीकत में बदलने के लिए भरसक प्रयास किए। नाराजगी और रूठने से लेकर आउट ऑफ रीच होना और अचानक स्वास्थ्य खराब होने की बात कहकर मेडिकल लीव तक लेना, जब तक संभव हो सका, एकनाथ शिंदे अलग अलग तरीके से अपनी दावेदारी जताते रहे। लेकिन शायद इस बार बीजेपी ये प्रण करके बैठी थी कि शिंदे का एक भी दांव नहीं चलने देगी और प्रदेश की कमान देवेंद्र फडणवीस के ही हाथों में रहेगी। कहने को तो एकनाथ शिंदे ने नतीजों के दो-तीन दिन बाद ही एक प्रेस वार्ता करके ये साफ कर दिया था कि उन्हें बीजेपी और पीएम मोदी का हर फैसला मंजूर होगा और वो राह में कोई रोड़ा नहीं बनेंगे। लेकिन वो कहते हैं न कि सियासत में कहा कुछ जाता है और किया कुछ और जाता है। तो भले ही शिंदे ने दबे मन से ये बातें बोल दी हों, लेकिन उनके दिल में ये प्रबल इच्छा थी कि वो फिर से प्रदेश की गद्दी पर बैठें। इसके लिए लगातार उनके समर्थकों की ओर से भी ये बात कही जाती रही कि जनता उन्हें बतौर सीएम ही देखना चाहती है और एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार नहीं करेंगे। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के मुखपत्र सामना में तो यहां तक दावा किया गया कि एकनाथ शिंदे ने अमित शाह के सामने ये गुहार लगाई थी कि उन्हें सिर्फ छह महीने के लिए ही मुख्यमंत्री बना दिया जाए। लेकिन बीजेपी इस पर भी राजी नहीं हुई। शिंदे को ये उम्मीद थी कि शायद उनकी प्रेशर पॉलिटिक्स और उनके खराब स्वास्थ्य को ही देखते हुए बीजेपी बिहार की तरह महाराष्ट्र में भी बड़ा दिल दिखाते हुए उन्हें मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप देगी। लेकिन ये संभव नहीं हो सका। नतीजन शिंदे को उपमुख्यमंत्री की शपथ ही लेनी पड़ी। ऐसे में ये सवाल जेहन में जरूर आता है कि अगर बिहार में बीजेपी कम सीटें होने के बावजूद नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री बना सकती है, तो फिर महाराष्ट्र में ये फॉर्मूला लागू क्यों नहीं हुआ? फिर एकनाथ शिंदे को 57 सीटें होने के बावजूद मुख्यमंत्री क्यों नहीं बनाया। इन सवालों का जवाब ये हो सकता है कि बिहार और महाराष्ट्र की सियासत में काफी भिन्नताएं हैं। बेशक एकनाथ शिंदे और उनकी पार्टी के लोग ये मान रहे थे कि महाराष्ट्र में भी बिहार वाला फॉर्मूला लागू होना चाहिए, क्योंकि इस जीत में एकनाथ शिंदे की अहम भूमिका है और वो सरकार को एक संतुलन प्रदान करेंगे। लेकन अगर बिहार और महाराष्ट्र को देखें तो मालूम पड़ता है कि आखिर क्यों महाराष्ट्र में बिहार मॉडल लागू नहीं हो सका और एकनाथ शिंदे लाख प्रयासों के बाद भी मुख्यमंत्री बनने से चूक गए। इसके पीछे एक नहीं बल्कि कई वजहें हैं, जिन्होंने शिंदे के अरमानों को आंसुओं में बहा दिया।

नीतीश-शिंदे की नहीं कोई तुलना

दूसरी वजह ये भी है कि नीतीश कुमार जैसे नेता की तुलना एकनाथ शिंदे से नहीं की जा सकती। क्योंकि नीतीश कुमार राजनीति के एक बहुत पुराने चावल हैं। जबकि एकनाथ शिंदे की सियासी जमीन ही विश्वासघात और मौका परस्ती से शुरू हुई है। नीतीश कुमार की हैसियत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वो देश के उन कद्दावर नेताओं में से हैं जो कभी पीएम पद के दावेदार रहे हैं। आज की तारीख में भी अगर वो एनडीए में नहीं होते तो उन्हें पीएम पद के एक दावेदार के रूप में देखा जाता। इंडिया गठबंधन का जो रूप आज सबके

सामने दिख रहा है उसके पीछे भी कहीं न कहीं नीतीश कुमार का ही दिमाग था। इंडिया गठबंधन नीतीश कुमार का न केवल ब्रेन चाइल्ड है बल्कि उन्हीं के प्रयासों से यह रूप ले सका था। देश भर के विपक्षी नेताओं को एकजुट करना उन्हीं के वश का था। इसके अलावा बिहार में अतिपिछड़ों के रूप में एक नया वोट बैंक भी उन्होंने तैयार किया जिसके बल पर करीब ढाई दशक से वो बिहार पर राज कर रहे हैं। इस तरह बिहार में नीतीश कुमार के नीचे काम करना नेताओं के लिए सम्मानजनक बन जाता है। लेकिन एकनाथ शिंदे को अभी नीतीश कुमार बनने में बहुत खून पसीना बहाना होगा। एकनाथ शिंदे को बिहार का सीएम इसलिए नहीं बनाया गया था कि वो महाराष्ट्र के कद्दावर नेता हैं या एक कुशल प्रशासक हैं, बल्कि वो समय की मांग थी।

शिंदे इस बार नहीं थे महायुति का चेहरा

महाराष्ट्र में भाजपा ने इस बार एकनाथ शिंदे को अपना या महायुति का चेहरा बनाया भी नहीं था और न ही उनके नाम पर चुनाव मैदान में उतरी थी। चुनाव के वक्त भी बीजेपी का घोषणापत्र जारी करते वक्त भी अमित शाह ने ये साफ कर दिया था कि फिलहाल हमारे मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे हैं। जिसका मतलब साफ था कि अभी एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री हैं लेकिन नतीजों के बाद कौन होगा ये वक्त बताएगा। देवेंद्र फडणवीस ने भी ये ही कहा था कि नतीजों में जिसकी सीटें ज्यादा होंगी मुख्यमंत्री वही होगा। ये ही हुआ भी है। जबकि बिहार में भाजपा नीतीश कुमार को ही आगे करके चुनाव मैदान में उतरी थी। महाराष्ट्र में चुनाव अभियान के दौरान पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने स्पष्ट किया था कि मुख्यमंत्री का निर्णय चुनाव परिणामों पर आधारित होगा। जिससे साफ था कि महाराष्ट्र में बीजेपी कहीं न कहीं पहले से ही ये मन बनाकर चल रही थी कि एकनाथ शिंदे का सफर बतौर सीएम यहीं तक था। उसने वही किया भी।

क्या शिंदे हासिल कर पाएंगे गृह मंत्रालय

फिलहाल अब जब तय हो गया है कि महाराष्ट्र की कमान एक बार फिर देवेंद्र फडणवीस के ही हाथों में रहेगी। तो देखने वाली बात ये होगी कि एकनाथ शिंदे किन शर्तों पर माने हैं। उपमुख्यमंत्री की शपथ भले शिंदे ने ले ली हो, लेकिन अब वो गृह मंत्रालय अपने पास रखने की मांग पर अड़े हुए हैं। जिसको लेकर शिंदे ने अपने तल्ख तेवर शपथग्रहण में भी दिखाए। जब उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से दूरी बनाते हुए उनके पास बैठना भी उचित नहीं समझा। हालांकि, बीजेपी के लिए भी गृह मंत्रालय शिंदे को देना इतना आसान नहीं होगा। क्योंकि बीजेपी महाराष्ट्र में कहीं से भी सरकार पर से अपनी पकड़ ढीली नहीं होने देना चाहेगी। फिलहाल अब देखना ये है कि क्या शिंदे गृह मंत्रालय को अपने पास रखने में सफल हो पाते हैं या यहां भी उनके अरमानों को झटका ही लगेगा। क्योंकि इतना तो तय है कि शिंदे सिर्फ उपमुख्यमंत्री के झुनझुने से खुश नहीं हैं। सबसे बड़ी बात कि देखने वाली ये है कि महायुति ने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार बना तो ली है, लेकिन देवेंद्र फडणवीस की इस सरकार का भविष्य कितना लंबा है, ये वक्त बताएगा। क्या ये सरकार पूरे पांच साल स्थिर रहती है या नहीं, ये देखने वाली बात होगी।

योजनाओं के श्रेय लेने की होड़

महाराष्ट्र में बिहार मॉडल लागू न करने के पीछे एक वजह ये भी थी कि बिहार वाली गलती महाराष्ट्र में करके बीजेपी पछता ही रही है। इसलिए अब दोबारा गलती नहीं करना चाहेगी। दरअसल, महाराष्ट्र की जीत में अहम भूमिका निभाने वाली लाडकी बहिन योजना का पूरा श्रेय एकनाथ शिंदे ले रहे हैं। शिंदे ये साफ कह चुके हैं कि ये योजना उनका ही ब्रेन चाइल्ड थी और इसने जीत में अहम भूमिका निभाई। बेशक सरकार सरकार एनडीए की थी और योजना लागू करने का फैसला पूरी सरकार का था। लेकिन जिस तरह से योजना की सफलता का पूरा श्रेय अकेले शिंदे ने लिया बीजेपी को कहीं न कहीं ये रास नहीं आया। क्योंकि इसी तरह बिहार में भी जितनी लोक कल्याणकारी योजनाएं लागू हो रही हैं उसका श्रेय नीतीश

कुमार के नाम जा रहा है। जबकि दो डिप्टी सीएम बीजेपी के हैं। ऐसे में बीजेपी अब बिहार वाली गलती दोबारा महाराष्ट्र में फिर से नहीं करना चाहती थी। इसलिए उसने इस बार शिंदे की एक न चलने दी और देवेंद्र फडणवीस को ही सीएम बनाया। महाराष्ट्र में बिहार मॉडल लागू न होने की एक वजह ये भी थी कि बिहार में नीतीश कुमार के नीचे रहने के लिए बीजेपी की मजबूरी यह है कि वहां एक सशक्त विपक्ष के रूप में आरजेडी मौजूद है। आरजेडी को सरकार में आने के लिए मात्र 9 विधायकों की जरुरत है। बिहार में आरजेडी और बीजेपी के पास विधायकों की संख्या करीब करीब बराबर ही है। जेडीयू के आने के बाद भी बिहार में एनडीए के पास मात्र 6 विधायक ही बहुमत से ज्यादा हैं। जबकि महाराष्ट्र में आज ऐसी स्थिति नहीं है। महाराष्ट्र में बीजेपी मजबूत स्थिति में है। कहीं न कहीं एकनाथ शिंदे के पास बीजेपी के साथ रहने के अलावा दूसरा कोई मजबूत विकल्प नहीं है। महाराष्ट्र में बीजेपी 132 विधायकों के साथ दूसरी पार्टियों के मुकाबले बहुत ज्यादा आगे है। इसलिए नैतिक रूप से भी महाराष्ट्र में उसका सीएम बनने का अधिकार बनता है।

देवेंद्र फडणवीस एक बड़ा चेहरा हैं

महाराष्ट्र में बिहार मॉडल लागू न होने की सबसे बड़ी वजह है बिहार में भाजपा के पास कोई बड़ा चेहरा न होना। भले ही मौजूदा वक्त में भाजपा ने बिहार में दो डिप्टी सीएम दे रखे हों। लेकिन उनमें से एक भी ऐसा चेहरा नहीं है जिसको आगे करके बीजेपी चुनाव में ताल ठोंक सके और फिर जीत हासिल कर सके। लेकिन महाराष्ट्र में भाजपा के पास देवेंद्र फडणवीस जैसा एक बड़ा चेहरा है जो अपनी दम पर बीजेपी को सत्ता में लाने का माद्दा रखता है और इस बार भी ये करके दिखाया है। जबकि बिहार में बीजेपी ने सीटें भले नीतीश कुमार से ज्यादा जीती हों, लेकिन उसके पास चेहरा नीतीश कुमार के बराबर का भी नहीं था। जो कि बीते पांच सालों में भी बीजेपी तैयार नहीं कर पाई है। सम्राट चौधरी भले ही खुद को एक फायरब्रांड नेता के तौर पर आगे कर रहे हों, लेकिन उनकी पकड़ अभी भी प्रदेश के कुछ एक क्षेत्रों तक ही सीमित है। पहले सुशील मोदी बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा थे, पर उनकी पकड़ भी संगठन में तो थी, लेकिन जमीनी स्तर पर वो जनता से उतना ज्यादा नहीं जुड़ पा रहे थे। उसके बाद बीजेपी के पास बिहार में नीतीश कुमार की टक्कर का एक भी नेता नहीं है। इसीलिए बीजेपी वहां बड़े भाई बनकर त्याग करने पर मजबूर हो गई। लेकिन महाराष्ट्र में हालात बिल्कुल अलग हैं। यहां देवेंद्र फडणवीस के रूप में एक बड़ा चेहरा है जो महाराष्ट्र में काफी दिनों सक्रिय रहे हैं। आरएसएस और बीजेपी दोनों ही में उनकी बराबर पैठ है। विधानसभा चुनावों में उन्होंने राज्य भर में अकेले चुनावों की कैंपनिंग की है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा रैलियां और सभाएं भी उनके द्वारा ही की गईं। जबकि बिहार में आज भी दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा की चमक इतनी नहीं है कि नीतीश कुमार के प्रभाव को मद्धिम भी कर सकें। दोनों डिप्टी सीएम के अलावा भी बिहार बीजेपी में कोई ऐसा नेता नहीं है जो केंद्रीय नेतृत्व के बिना बिहार में बीजेपी को खड़ा कर सके। इस बात को महराष्ट्र में बिहार मॉडल की मांग करने वाले शिवसेन नेता भी समझ गए और एकनाथ शिंदे भी। इसीलिए न चाह कर भी उन्हें अपनी इच्छाओं को दबाना पड़ा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

धनखड़ संकट या संकटमोचक

जाट नेता रहे धनखड़ ने किसानों के मुद्दे को जिस तरह से कृषि मंत्री के सामने बिना लाग-लपेट उठाया, उससे सत्यपाल मलिक याद आ गए। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल रहे जाट नेता मलिक ने तो किसानों के मुद्दे पर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी को कटघरे में खड़ा कर दिया था। किसानों के मुद्दे पर जिस तरह से जाट नेता सवाल उठा रहे हैं, इससे बीजेपी के साथ केंद्र सरकार पर नैतिक दबाव पड़ना तय माना जा रहा है।

सियासी-चश्मे से देखें तो किसान आंदोलन को लेकर केंद्र में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने इसे राजनीति से प्रेरित साजिश करार दिया था। फिर तीन कृषि-कानूनों को लेकर भाजपा बैकफुट पर आ गई थी। रही-सही कसर संघ-परिवार और भाजपा के 'चैनलों' से महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर पहुंचे पूर्व राजनेताओं ने पूरी कर दी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक किसान आंदोलन को लेकर केंद्र की भाजपा नेतृत्व वाली सरकार को सवालिया कटघरे में पहले ही खड़ा कर चुके हैं। अब जबकि देश में किसानों का आंदोलन एक बार फिर से चर्चा में है, ऐसे में उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों के मुद्दे को लेकर सीधे-सीधे केंद्र सरकार पर ही सवाल खड़े कर दिए। जाट नेता रहे धनखड़ ने किसानों के मुद्दे को जिस तरह से कृषि मंत्री के सामने बिना लाग-लपेट उठाया, उससे सत्यपाल मलिक याद आ गए। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल रहे जाट नेता मलिक ने तो किसानों के मुद्दे पर सीधे पीएम नरेंद्र मोदी को कटघरे में खड़ा कर दिया था।

किसानों के मुद्दे पर जिस तरह से जाट नेता सवाल उठा रहे हैं, इससे बीजेपी के साथ केंद्र सरकार पर नैतिक दबाव पड़ना तय माना जा रहा है। मलिक ने कृषि-कानूनों के संदर्भ में पीएम मोदी को अहंकारी तक बता डाला था। मलिक ने जयपुर की एक सभा में कहा था कि मैं जब किसानों के मामले में प्रधानमंत्री से मिलाने गया तो मेरी पांच मिनट में उनसे लड़ाई हो गई, वो बहुत घमंड में थे। मलिक के अनुसार जब मैंने उनसे कहा था कि हमारे 500 लोग मर गए... तो उन्होंने कहा-मेरे लिए मारे गए हैं ? जिस पर मैंने कहा कि आपके लिए ही तो मरे थे, जो आप राजा बने हुए हो... मेरा झगड़ा हो गया। अब उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सवाल किया है कि आखिरकार किसानों से वार्ता क्यों नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री जी, हर पल आपके लिए महत्वपूर्ण है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं और भारत के संविधान के तहत दूसरे सबसे बड़े पद पर विराजमान व्यक्ति के रूप में आपसे आग्रह करता हूं कि कृपया मुझे बताइए। उन्होंने सवाल किया कि क्या किसानों से कोई वादा किया गया था और वह वादा क्यों नहीं निभाया गया। हम वादा पूरा करने के लिए क्या कर रहे हैं। पिछले साल भी आंदोलन था, इस साल भी आंदोलन है और समय जा रहा है, लेकिन हम कुछ नहीं कर रहे हैं। धनखड़ ने कहा कि कृषि मंत्री जी, मुझे तकलीफ हो रही है। मेरी चिंता यह है कि अब तक यह पहल क्यों नहीं हुई। आप कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारतीय आकांक्षाओं के अनुरूप दंड विधान

के.पी. सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिसम्बर को चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह में नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। गृहमंत्री ने नए कानूनों को लागू करने वाली पहली इकाई होने के लिए चंडीगढ़ पुलिस की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि अगले 3 वर्षों में ये कानून पूरे देश में लागू हो जाएंगे। इस प्रक्रिया में आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न स्तम्भों के बीच समन्वय और बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा कई पोर्टलों के साथ डेटाबेस का एकीकरण जैसी समय लेने वाली प्रक्रिया शामिल है। गृहमंत्री ने कहा कि इन कानूनों को लागू करने के लिए 11,34,698 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया है और 1 जुलाई, 2024 के बाद कानून के नए प्रावधानों के अन्तर्गत 11 लाख से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 9500 मामलों में पहले ही फैसला आ चुका है। इन नई कानूनी प्रक्रियाओं का ऐसा प्रभाव है कि चंडीगढ़ पुलिस ने नई योजना के बाद निर्धारित किए गए सभी मामलों में 85 प्रतिशत सजा की दर प्राप्त कर ली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लोगों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था जब वे भारतीय आत्मा के साथ नए युग के दण्ड विधानों को अपनाने के साक्षी बने हैं। जन-केन्द्रित और न्याय-उन्मुख दृष्टिकोण को अपनाते हुए नए कानून दमन और प्रतिशोध पर आधारित औपनिवेशिक कानूनों का स्थान लेंगे। इस अवसर ने न्याय प्रक्रिया से जुड़े पेशेवरों को नए कानूनों के लागू होने के बाद से उनके कामकाज के परिचालन ऑडिट करने का मौका भी प्रदान किया, ताकि बाधाओं और कमियों की पहचान की जा सके और भविष्य में उनके निराकरण के उपाय सुझाए जा सकें। उनके अनुसार कानून निर्वात में क्रियान्वित नहीं किए जा सकते। इस तथ्य से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि पुलिस जांच अधिकारियों ने सभी मामलों में आपराधिक कानूनों की नई धाराओं का उपयोग करना शुरू कर दिया है, हालांकि सफल क्रियान्वयन का अर्थ इससे कहीं अधिक होता है।

जिसमें इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करके आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रस्तावित डिजिटलीकरण के सपने को पूरा करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए कर्मचारियों की भर्ती और प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। हितधारकों के बीच सम्पर्क और समन्वय के लिए अपराध और अपराधी

ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) और अन्तर-संचालनीय आपराधिक न्याय प्रणाली (आईसीजेएस) से सम्बन्धित सॉफ्टवेयर को उन्नत करना भी उतना ही जरूरी है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) में परिकल्पित कई नई अवधारणाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए नियम और उप-नियम बनाना सफलता की कुंजी साबित होगी। प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) का ई-पंजीकरण, समन और वारंट की ई-सेवा, जीरो एफआईआर, गवाह सुरक्षा योजनाएं, सामुदायिक सेवा की सजा, दोषी की अनुपस्थिति में मुकदमा, अपराधों से अर्जित सम्पत्ति की जब्ती, माल-मुकदमों की सम्पत्तियों का समयबद्ध निपटान, अपराध पीड़ितों के साथ जब्त सम्पत्ति को साझा करना, सजा में कमी, वीडियोग्राफी फुटेज का भण्डारण आदि से सम्बन्धित प्रावधानों को लागू करना तब तक वास्तविकता नहीं होगी जब तक कि राज्यों द्वारा संचालन प्रोटोकॉल और नियम तुरंत तैयार नहीं किए जाते। ऐसे नियमों व प्रोटोकॉल के अभाव में, नए कानूनों की नवीन अवधारणाएं केवल कागजों तक सीमित ही रह जाएंगी। गृहमंत्री ने फोरेंसिक विशेषज्ञों को आपराधिक न्याय प्रणाली के पांचवें स्तम्भ की संज्ञा दी है। अब तक न्यायवैधिक विज्ञान प्रयोगशालाओं (एफएसएल) का नेटवर्क बहुत कम है। नए कानूनों के अनुसार, 7 साल से अधिक की सजा वाले सभी अपराधों के घटनास्थलों पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए, न्यायवैधिक प्रयोगशालाओं का पुलिस थाना स्तर तक विस्तार बेहद जरूरी है। वर्तमान में फोरेंसिक विशेषज्ञों की सीमित उपलब्धता के मद्देनजर यह एक बहुत ही कठिन कार्य प्रतीत होता है।

आपराधिक न्याय के स्तम्भों अर्थात पुलिस, अदालत, अभियोजन, जेल प्रशासन और फोरेंसिक लैब का डिजीटल एकीकरण एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस मुद्दे पर कार्य शुरू हो चुका है लेकिन यह तब तक पूरा नहीं हो सकता जब तक कि राज्य की एजेंसियों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले अन्य सभी सम्बन्धित कार्य उनके द्वारा पूरे नहीं कर लिए जाते। मुकदमों में शामिल सम्पत्तियों के समयबद्ध निपटान के नए प्रक्रियात्मक कानून एक स्वागतयोग्य कदम है। परन्तु कानून लागू करने वाली एजेंसियों की ओर से तत्परता की कमी या बुनियादी ढांचे के अभाव में अदालतें इस दिशा में कुछ ठोस नहीं कर पा रही हैं।

असहमति के बावजूद जगी भविष्य की उम्मीदें

डॉ. शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों दक्षिण कोरिया के बुसान में एक वैश्विक बैठक प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि पर सहमति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। लेकिन यह बैठक बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। कुल 175 देशों के प्रतिनिधि महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे प्लास्टिक उत्पादन और वित्त पर रोक लगाने, पर सहमति बनाने में विफल रहे। यह अंतर-सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की पांचवीं बैठक थी, जो 2022 से प्लास्टिक प्रदूषण पर एक कानूनी संधि तैयार कर रही है। एक हफ्ते तक चली बातचीत में प्लास्टिक उत्पादन और हानिकारक रसायनों पर रोक लगाने की मांग और केवल कचरे के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाले देशों के बीच गहरे मतभेद दिखे। परिणामस्वरूप, मसौदा अधिकांश चिंताओं को अनसुलझा छोड़कर समाप्त हुआ। सभी देशों ने वार्ता जारी रखने के लिए अगले साल फिर से मिलने पर सहमति जताई। इस दौरान, सन्धि के लिए मसौदे और देशों की स्थिति पर बेहतर समझ विकसित हुई, लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस के अनुसार, 'हमारी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण में डूब रही है। हर वर्ष, हम 46 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन करते हैं, जिसमें से अधिकांश को जल्दी ही फेंक दिया जाता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि वर्ष 2050 तक महासागरों में प्लास्टिक की मात्रा मछलियों से अधिक हो सकती है। इसके अलावा, हमारी रक्तधारा में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं, जिनके बारे में हमने अभी पूरी तरह से समझना शुरू किया है। हर दिन, कूड़े से भरे लगभग 2,000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक, महासागरों, नदियों और झीलों में फेंक दिया जाता है। यही प्लास्टिक वन्यजीवों एवं मानव स्वास्थ्य के लिए गम्भीर ख़तरा पैदा कर रहा है। माइक्रोप्लास्टिक के कण, भोजन, पानी, मिट्टी और यहां तक कि मानव अंगों व नवजात शिशुओं के प्लासेंटा तक में पाए गए हैं। वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के प्रस्ताव द्वारा अपनाई गई सन्धि के तहत, प्लास्टिक के पूरे जीवन चक्र पर ध्यान देने के प्रयास किए गए हैं। इनमें एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के जरिए प्लास्टिक के उत्पादन, डिजाइन और निपटान के लिए उचित समाधान तलाश किया जाना शामिल है।

भारत का मत है कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए एक कानूनी उपकरण होना चाहिए। प्लास्टिक के विकल्पों की उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता के लिए तकनीक हस्तांतरण, वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण पर भी चर्चा करके एक्शन लिया जाना चाहिए। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम जारी किया था। इसके अनुसार प्लास्टिक की वस्तुओं से होने वाले प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक सामान पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके अलावा 30 सितंबर, 2021 से प्लास्टिक कैरी बैग की मोटाई को कम-से-कम 75 माइक्रोन किया गया जो पहले 50 माइक्रोन हुआ करती थी।

दुनिया भर में दैनिक जीवन में एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक, बोतलों व अन्य उत्पादों को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाता है। उसकी रि-साइकिलिंग, प्लास्टिक के उचित निपटान व सतत उपयोग के तरीके सुझाए जा रहे हैं। लेकिन उत्पादन के आरम्भ में, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों में, प्लास्टिक के इस्तेमाल की समस्या तेजी से उभरकर सामने आई है। केवल भूमि पर ही नहीं, जलीय कृषि उत्पादन में भी हर स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, फिर चाहे वो टैंक, जाल, फीड बैग, लाइनर, पाइपिंग, पॉलीस्टाइनिन बक्से, उत्पाद परिवहन या फिर रासायनिक के भंडारण के लिए हों। एफएओ के अनुमानों के मुताबिक अभी तक यह माना जाता रहा है कि महासागरों में पाए जाने वाला लगभग 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, जलीय कृषि जैसे समुद्री उद्योगों के बजाय भूमि-आधारित स्रोतों से उत्पन्न होता है। अब यह स्पष्ट हो रहा है कि विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने वाले गियर भी समुद्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कृषि में इस्तेमाल उत्पादों से होने वाले प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए संग्रह, पुनः उपयोग और रि-साइकिलिंग प्रमुख उपाय हैं। जिन प्लास्टिक वस्तुओं को प्रयोग के बाद एकत्र नहीं किया जा सकता, उन्हें पर्यावरण अनुकूल, बायोडिग्रेडेबल व सुरक्षित विकल्पों से बदला जाना चाहिए। किसी भी समझौते में प्लास्टिक के जीवन चक्र का ध्यान रखना होगा, एकल-इस्तेमाल और कम अवधि की प्लास्टिक की समस्या से निपटना होगा। इसके साथ ही, कचरा प्रबन्धन को मज़बूती देते हुए वैकल्पिक सामग्री को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए देश के साथ-साथ वैश्विक कानून होने चाहिए, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण पर समय रहते लगाम लगाई जा सके। पिछले दो वर्ष से प्लास्टिक प्रदूषण पर क़ानूनी रूप से बाध्यकारी उपाय के लिए अन्तर-सरकारी स्तर पर वार्ता जारी थी, जिसमें भूमि व समुद्री पर्यावरणों का भी ध्यान रखा गया, और उसके बाद बुसान में यह बैठक आयोजित की गई। इसमें भले ही अभी कोई सहमति न बनी हो लेकिन इस बैठक ने भविष्य में संभावनाओं के द्वार तो खोल ही दिए हैं।

सिंघाड़े से बनाएं ये स्वादिष्ट पकवान

हल्की सर्दी का मौसम आते ही बाजार में सिंघाड़े से भरे ठेले दिखाई देने लगते हैं। बेहद कम दामों में मिलने वाले सिंघाड़े खाने में काफी स्वादिष्ट होते हैं। लोग इसे खाना काफी पसंद करते हैं। ये न सिर्फ खाने में अच्छा होता है बल्कि इसके सेवन से शरीर को कई लाभ भी मिलते हैं। भारतीय घरों में सिंघाड़े से विशेष कर व्रत -उपवास के दिनों में पकवान बनाए जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सिंघाड़ा एनर्जी बूस्टर के रूप में काम करता है। ऐसे में जब कोई महिला व्रत रखती है तो सिंघाड़े के सेवन से उनकी पाचन शक्ति मजबूत होती है और शरीर में ऊर्जा भी बनी रहती है। सिंघाड़ा एक ऐसा फल है, जिसे आप साधारण तरीके से खाने की बजाय कई अन्य रूप में भी खा सकते हैं। सिंघाड़े से बनने वाले पकवानों को आप आसानी से तैयार कर सकते हैं।

हलवा

अगर सिंघाड़े से कुछ मीठा बनाने का सोच रहे हैं तो इसका हलवा एक बेहतर विकल्प है। सिंघाड़े के आटे का हलवा देसी घी में तैयार किया जाता है, जिस वजह से ये काफी हेल्दी होता है और खाने में भी ये अच्छा लगता है। ये बहुत ही स्वादिष्ट और हेल्दी होता है. इसे बनाना भी बहुत आसान होता है। इसे बनाने के लिए आपको सिंघाड़े की आटे, चीनी, इलायची पाउडर, घी और पानी आदि की जरूरत होगी। बड़े हों या छोटे ये हलवा सभी को बहुत पसंद आएगा।

अचार

यदि आपके पास काफी सिंघाड़े रखे हैं, तो उससे आप इसका अचार डालकर रख सकती हैं। सर्दी के मौसम में सिंघाड़े का अचार भरवा पराठों के साथ काफी स्वादिष्ट लगता है। इस अचार को बनाने के बाद कंटेनर में सरसों का तेल जरूर भर दें, वरना ये खराब होने लगता है। सिंघाड़े को नियमित रूप से खाने से कैंसर का खतरा भी कम होता है। इसमें फेरुलिक एसिड नाम का एंटीऑक्सिडेंट होता है जो कैंसर की कोशिकाओं को कम करने में या स्लो करने में फायदेमंद है।

सलाद

यदि आपको सलाद खाना पसंद है तो आप सिंघाड़े का हेल्दी वर्जन भी ट्राई कर सकते है। सलाद के रूप में भी सिंघाड़ा काफी स्वादिष्ट लगता है। इसका स्वाद बढ़ाने के लिए चाहें तो इसमें हरी चटनी डालें। रोजाना सिंघाड़े का सेवन करने से बादी और खूनी बवासीर के लक्षण कंट्रोल रहते हैं। बादी बवासीर में एनस में सूजन, दर्द और मस्सों के बाहर आने के लक्षण दिखते हैं जबकि खूनी बवासीर में मल के साथ खून आता है। फाइबर से भरपूर ये फल मल को सॉफ्ट करता है और कब्ज को दूर करता है। इसका सेवन करने से बवासीर के लक्षण कंट्रोल रहते हैं।

आटे का पराठा

सिंघाड़े के आटे को बनाकर भी आप उससे कई पकवान बना सकते हैं। इसमें फलाहारी सिंघाड़े का पराठा लोगों को काफी पसंद आता है। इसे आटे में आलू मिक्स करके बनाया जाता है। भारतीय घरों में सिंघाड़े का पराठा व्रत के दिन बनता है। सिंघाड़े में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है जो पाचन को दुरुस्त करती है। इसका सेवन करने से अपच से राहत मिलती है और पाचन दुरुस्त रहता है। ये एक ऐसा फल है जो आंतों की बीमारियों को दूर करता है और आंतों को साफ करता है। पेट की गंदगी को दूर करने में ये फल बेहद असरदार साबित होता है।

सब्जी

लच्छा पराठे के साथ सिंघाड़े की सब्जी काफी स्वादिष्ट लगती है। इसे बनाते समय यदि आप खड़े मसालों का इस्तेमाल करेंगी, तो इसका स्वाद भी कई गुना बढ़ जाएगा। सब्जी बनाने के बाद उसे सजाने के लिए ऊपर से धनिया अवश्य डालें। इससे अगर आप फटी एड़ियों से परेशान हैं तो कच्चे सिंघाड़े को डाइट में शामिल करिए, इससे आपको जल्द ही राहत मिलेगी। सिंघाड़ा हार्ट के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। सिंघाड़ा खाने से स्ट्रेस कम होता है।

टिक्की

यदि आपके पास सिंघाड़े का आटा रखा है तो उस आटे की टिक्की तैयार करें। सिंघाड़े के आटे से बनीं कुरकुरी टिक्की खाने में काफी स्वादिष्ट लगती हैं। इसे आप दही या चटनी के साथ परोस सकते हैं। थायराइड के मरीजों के लिए ये फल बेहद असरदार साबित होता है। इसका सेवन करने से गले में किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होती। सिंघाड़ा गले की सूजन को कंट्रोल करता है,गले के दर्द से राहत दिलाता है। इसमें इतने पोषक तत्व मौजूद हैं जो बॉडी में कमजोरी और थकान को दूर करते हैं और बॉडी को हेल्दी रखते हैं। इसमें ऐसे पोषक तत्व है जो कमजोरी को जल्द से जल्द दूर करते हैं, तभी लोग इसका सेवन नवरात्र में फास्ट के दौरान करते हैं।

हंसना मना है

पप्पू अपनी पत्नी से-अच्छा ये बताओ 'बिदाई' के समय तुम लड़कियां इतनी रोती क्यों हो? पत्नी- 'पागल' अगर तुझे पता चले.. अपने घर से दूर ले जाकर कोई तुमसे 'बर्तन मंजवाएगा' तो तू क्या नाचेगा।

मेरे एक पड़ोसी है, जिनका नाम है 'भगवान' और उनकी लड़की का नाम है भक्ति, मम्मी बोलती है कि 'बेटा भगवान की भक्ति में मन लगाया कर' अब मम्मी को कैसे समझाऊं की भक्ति में तो मन लगाता हूं, पर भगवान नहीं मान रहे।

इस मतलबी दुनिया में, एक पान वाला ही है, जो पूछ कर चुना लगाता है!

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

पतिः अरे सुनो, मुन्ना रो रहा है चुप कराओ इसे। पत्नीः मैं काम करूं या बच्चे संभालू, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी, खुद ही चुप करा लो। पतिः फिर रोने दे मैं कौन सा इसे बारात में लेकर गया था।

लड़कीः मैं अपने पापा की परी हूं, लड़का : मैं भी अपने पापा का पारा हूं, लड़कीः पारा..? ये क्या है? लड़काः मुझे देखते ही उनका पारा चढ़ जाता है?

कहानी | मूर्खों का बहुमत

किसी जंगल में एक उल्लू रहता था। दिन में दिखाई न देने के कारण वह दिनभर एक पेड़ पर अपने घोंसले में छिपकर रहता था। सिर्फ रात होने पर ही वह भोजन के लिए बाहर निकलता था। एक बार दोपहर के समय कहीं से एक बंदर आया और वह उल्लू के घोसले वाले पेड़ पर आकर बैठ गया। गर्मी और धूप से परेशान बंदन ने कहा-ऊफ, बहुत गर्मी है। बंदर की बात को उल्लू ने भी सुन लिया। उससे रहा नहीं गया और बीच में ही बोल पड़ा-यह तुम झूठ कह रहे हो? सूर्य नहीं, बल्कि अगर चंद्रमा के चमकने की बात कहते तो मैं इसे सच मान लेता। बंदर बोला-भला दिन में चंद्रमा कैसे चमक सकता हैं। वह तो रात में चमकता है और यह दिन का समय है। उस बंदर ने उल्लू को अपनी बात समझाने का बहुत प्रयास किया कि दिन में सूरज ही चमकता है चंद्रमा नहीं, लेकिन उल्लू भी अपनी ही जिद पर अड़ा था। इसके बाद उल्लू ने कहा-चलो, हम दोनों मेरे एक मित्र के पास चलते हैं, वही इसका निर्णय करेगा। बंदर और उल्लू दोनों एक दूसरे पेड़ पर गए। उस दूसरे पेड़ पर उल्लुओं का एक बड़ा झुंड रहता था। उल्लू ने सभी को बुलाया और उनसे कहा कि दिन में आकार में सूर्य चमक रहा है या नहीं यह तुम सब मिलकर बताओ। उल्लु की बात सुनकर उल्लुओं का पूरा झुंड हंसने लगा। वह बंदर की बात का मजाक उड़ाने लगें। उन्होनें कहा-नहीं, तुम बेवकूफों जैसी बात कर रहे हो। इस समय आकार में तो चंद्रमा ही चमक रहा है और आकाश में सूर्य के चमकने की झूठी बात बोलकर हमारी बस्ती में झूठ का प्रचार मत करो। उल्लुओं के झुंड की बात सुनने के बाद भी बंदर अपनी ही बात पर अड़ा हुआ था। जिससे गुस्साए उल्लुओं ने बंदर को मारने के लिए उसपर झपट पढ़े। दिन का समय था और उल्लुओं को कम दिखाई दे रहा था इसी वजह से बंदर वहां से बचकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और उसने अपनी जान बचाई।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सुख के साधन प्राप्त होंगे। नई योजना बनेगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वाभिमान को ठेस लग सकती है। आय बनी रहेगी।

वृषभ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

मिथुन योजना का तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक काम करने की इच्छा रहेगी।

कर्क धार्मिक अनुष्ठान पूजा-पाठ इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। मानसिक शांति रहेगी। समय अनुकूल है।

सिंह किसी दूसरे व्यक्ति की बातों में न आएं। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। व्यापार अच्छा चलेगा। नौकरी में मातहतों से कहासुनी हो सकती है।

कन्या धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य हो सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुभय रहेगा।

तुला आज सुख के साधनों की प्राप्ति पर व्यय होगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़ा लाभ हो सकता है। भाग्य का साथ रहेगा।

वृश्चिक किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। किसी वरिष्ठ प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा।

धनु राजभय रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। यात्रा में जल्दबाजी न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मकर प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नौकरी में प्रशंसा होगी। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। चोट व रोग से बचें।

कुम्भ चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। यश बढ़ेगा। दूर से शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

मीन व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी बड़ी समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

'पुष्पा' ने मेरे करियर के लिए कुछ खास नहीं किया : फहद

फहद फासिल को फिल्म पुष्पा 2 में भंवर सिंह शेखावत की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सुकुमार निर्देशित फिल्म 5 दिसंबर को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हो गई है। फिल्म रिलीज के बाद फहद फासिल का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह पुष्पा से जुड़ी कुछ बातें बता रहे हैं। पुष्पा 2 देखने वाले कई प्रशंसकों को लगा कि फहद का कम उपयोग किया गया है और दूसरे भाग में उन्हें कार्टून जैसा दिखाया गया है। फहद फासिल अपने इस पुराने इंटरव्यू में कहते दिख रहे हैं कि फिल्म पुष्पा ने उनके करियर के लिए कुछ खास नहीं किया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि फिल्म पुष्पा ने मेरे लिए ऐसा कुछ किया है। मैंने सुकुमार से भी ये बात कह दी है। मुझे इस बारे में मुझे ईमानदार होना चाहिए। फहद फासिल ने आगे कहा, मैं यहां मेरा काम कर रहा हूं। किसी भी चीज़ का अनादर नहीं। मुझे नहीं लगता कि पुष्पा के बाद लोग मुझसे जादू की उम्मीद करते हैं। नहीं, यह शुद्ध सहयोग और सुकुमार सर के लिए प्यार है। मेरा काम यहां इस इंडस्ट्री में ही है। फहद के किरदार को पुष्पा और पुष्पा 2 में प्रशंसकों का बहुत प्यार मिला है, लेकिन प्रशंसकों को फिल्म में उनका किरदार थोड़ा कमजोर लगा है। खबरों की मानें तो फहद की नेटवर्थ 36 करोड़ है। वह फिल्मों के अलावा विज्ञापन, रियल स्टेट और निवेश के जरिए भी कमाई करते हैं। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म को प्रशंसकों का प्यार मिल रहा है। फिल्म ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की है। पुष्पा 2 ने पहले दिन ही 165 करोड़ की कमाई कर ली है।

'मैं जाट हूं, सर कटने के बाद भी हाथ हथियार नहीं छोड़ता'

सनी देओल की एक्शन पैक्ड फिल्म जाट का टीजर आउट हो चुका है। लगभग डेढ़ मिनट के टीजर में सनी देओल का वही अंदाज देखने को मिला है जिसके लिए वो जाने जाते हैं। फिल्म का टीजर माइथ्री मूवी मेकर्स के ऑफिशियल यूट्यूब हैंडल पर पोस्ट किया गया है। ये वही प्रोडक्शन हाउस है जिसने पुष्पा 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है।

शाम के साए में वो आता है और रोशनी से पहले गायब हो जाता है, पर ये पता है उन 12 घंटों में जितने मिनट्स होते हैं उससे कहीं ज्यादा हड्डियां वो तोड़ चुका है,

जाट फिल्म का टीजर रिलीज

टीजर की शुरुआत में इस इंट्रो लाइन के साथ सनी देओल की एंट्री होती है। उसके बाद वो एक के बाद एक सच में अपने दुश्मनों की हड्डियां तोड़ते नजर आते हैं। पूरे टीजर में सनी देओल की उसी इमेज को ठीक से भुनाया गया है जिसके लिए वो जाने जाते हैं।

टीजर के आखिर में वो गदर वाले तारा सिंह की तरह हैंडपंप की जगह एक बड़ा सा पंखा हाथ में लेकर खड़े दिखते हैं, जिससे वो शायद अपने दुश्मनों की हड्डियां तोड़ते नजर आएंगे। टीजर में सनी पाजी के मुंह से सिर्फ एक डायलॉग सुनने को मिलता है लेकिन वो पूरे टीजर का सबसे स्पेशल पॉइंट है। टीजर में कुछ सेकेंड के लिए रणदीप हुड्डा भी दिखे हैं, जो फिल्म में विलेन का रोल निभाते नजर आएंगे।

फिल्म के टीजर क आखिर में मेकर्स की तरफ से हिंट दिया गया है कि फिल्म अप्रैल 2025 में रिलीज होगी। सनी देओल अपनी भारीभरकम अंदाज में बोलते दिखते हैं, मैं जाट हूं, सर कटने के बाद भी हाथ हथियार नहीं छोड़ता। कुल मिलाकर आपको ये टीजर देखकर एहसास हो जाएगा कि बहुत दिनों बाद सनी देओल किसी घायल शेर की तरह घातक बनकर पर्दे पर दिखेंगे।

अब ओटीटी पर दिखेगा रूह बाबा का जलवा

कार्तिक आर्यन दिवाली के मौके पर हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 लेकर आए थे। ये इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है और तीनों ने ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया है। भूल भुलैया 3 सिनेमाघरों पर अभी तक छाई हुई है। खास बात ये है कि इसके साथ अजय देवगन की सिंघम अगेन भी रिलीज हुई थी। सिंघम अगेन को कार्तिक आर्यन ने पीछे छोड़ दिया है और 250 करोड़ के क्लब में भी एंट्री कर चुकी है। सिनेमाघरों में 1 महीने तक धमाल मचाने के बाद ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार है। भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन के साथ तृप्ति डिमरी, विद्या बालन अहम किरदार निभाते नजर आए हैं वहीं माधुरी दीक्षित का फिल्म में कैमियो है। सभी ने इस फिल्म में अपनी एक्टिंग से फैंस को इंप्रेस कर दिया है। हर कोई उनकी एक्टिंग की तारीफ करते नहीं रुक रहा है।

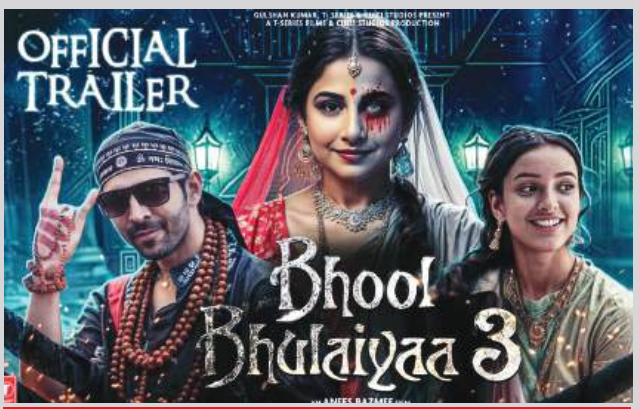

सिंघम अगेन को छोड़ा पीछे

भूल भुलैया 3 के साथ सिनेमाघरों में सिंघम अगेन भी आई थी। लोगों को लगा था कि अजय देवगन की फिल्म कार्तिक को पीछे छोड़ देगी मगर ऐसा हुआ नहीं बल्कि कार्तिक ने सभी को शानदार कलेक्शन करके धूल चटा दी। अब ओटीटी पर भी ये सभी को मात देने के लिए आ रही है।

इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज

भूल भुलैया 3 की ओटीटी रिलीज की बात करें तो ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ये फिल्म 27 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। सिनेमाघरों के बाद लोगों को ये फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने का इंतजार है। ये फिल्म नए साल के मौके पर फैंस को खुशखबरी दे रही है। इससे नया साल शानदार बनने वाला है।

अजब-गजब | इस गांव में है खुद का नियम और संविधान

पाकिस्तान के इस गांव में ग्रामीणों की सहमति से चलता है 20 सूत्रीय संविधान

पाकिस्तान का एक ऐसा गांव है, जो अपने अनोखे कानूनों और सख्त नियमों के लिए जाना जाता है। यहां देश का संविधान लागू नहीं होता, बल्कि इस गांव का अपना अलग संविधान है। आइए जानते हैं इस गांव और इसके खास नियमों के बारे में। यह अनोखा गांव पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित अंसार मीणा गांव है। सदियों से यहां की परंपराएं और रीति-रिवाज अलग पहचान बनाए हुए हैं। गांव का प्रशासन पूरी तरह से यहां के स्थानीय नेताओं द्वारा चलाया जाता है। यह स्वशासन का एक उदाहरण है, जहां राज्य या सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं होता।

गांव के लोग अपनी आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक संरचनाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपने संविधान के अनुसार ही संचालित करते हैं। यहां के सख्त कानून गांववालों के लिए सुरक्षा और शांति का प्रतीक हैं, और इन्हें पूरी निष्ठा से माना जाता है।

गांव में क्या है कानून?

अंसार मीणा गांव ने ग्रामीणों की सहमति से 20 सूत्रीय संविधान लागू किया है। इसके तहत कई

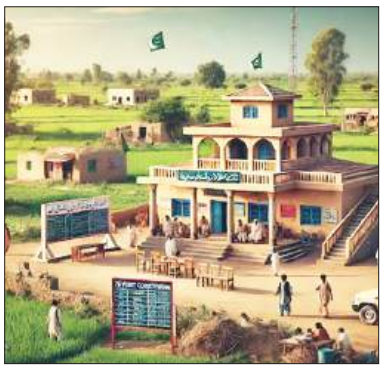

अहम नियम बनाए गए हैं

दहेज प्रथा पर रोक- गांव में दहेज लेना-देना पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

हवाई फायरिंग पर पाबंदी : किसी भी कार्यक्रम में हवाई फायरिंग करना मना है।

स्मार्टफोन पर रोक : छात्रों के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर पाबंदी है।

निकाह में सादगी : शादियों में खर्चों को कम करने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं।

मृत्यु संबंधी रीति-रिवाजों का सरलीकरण : किसी के इंतकाल के बाद अनावश्यक खर्चों को खत्म करने के लिए भी नियम हैं। गांववाले इन नियमों को खुशी-खुशी मानते हैं और मानते हैं कि इससे उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

बेहद खास हैं यहां के नियम

अंसार मीणा गांव में शादी और अन्य सामाजिक आयोजनों को सरल और कम खर्चीला बनाने के लिए अनोखे नियम बनाए गए हैं-शादियों में व्यवहार के तौर पर 100 रुपये से ज्यादा नहीं दिए जा सकते। शादियों में चावल बांटने की परंपरा बंद कर दी गई है।

मेहमानों का स्वागत केवल चाय और बिस्किट से किया जाता है। 14 साल से कम उम्र के बच्चों को मोटरसाइकिल चलाने की अनुमति नहीं है। गांव में बाहरी लोगों का प्रवेश और नशे का कारोबार सख्त मना है। इन नियमों से गांव में अनुशासन और शांति बनी हुई है। यहां के लोग इस संविधान को अपनी परंपराओं का हिस्सा मानते हैं और इसे पूरी निष्ठा से अपनाते हैं।

गुदगुदाने पर हिलता है ये जादुई पेड़, प्रकृति का है अनमोल खजाना

उत्तराखंड के रामनगर के जंगलों में पाया जाने वाला थनैला पेड़ (रेंडिया डूमिटोरम) अपनी अनोखी विशेषता के लिए मशहूर है। इसे गुदगुदाने पर इसकी शाखाएं और पत्तियां हिलने लगती हैं, जो देखने में किसी चमत्कार से कम नहीं लगता। ये पेड़ सिर्फ अनोखा ही नहीं, बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर है। इसका उपयोग दमा, सर्दी, और जलन जैसी बीमारियों के इलाज में किया जाता है। दुधारू पशुओं के थनों की गांठ को खत्म करने के लिए इसकी पत्तियां चमत्कारी साबित होती हैं।

थनैला पेड़ की अनोखी प्रकृति इसे पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बनाती है। लोग इसे देखने और इसके विचित्र गुणों का अनुभव करने के लिए रामनगर और कालाढूंगी के जंगलों का रुख करते हैं।

ये पेड़ कालाढूंगी और फाटो रेंज में 300-1300 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है। दिसंबर से जनवरी के बीच इसमें फल लगते हैं, जो इसे और भी खास बनाते हैं। थानीय लोग इसे मेनफल, राधा और मदनफल जैसे नामों से जानते हैं और इसका उपयोग चारे और औषधि के रूप में करते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसकी कम्पन करने की विशेषता इसे वनस्पति विज्ञान में अनूठा स्थान देती है।

मौका मिला तो गठबंधन को करूंगी लीड : ममता बनर्जी

» बोलीं- मौजूदा नेतृत्व ठीक से नहीं चला पा रहा गठबंधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हरियाणा-महाराष्ट्र और उपचुनावों में इंडिया के खराब प्रदर्शन को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंनेकहा- मैंने 'इंडिया' गठबंधन बनाया और गठन करवाया था। अब इसे व्यवस्थित करना, नेतृत्व करने वालों पर निर्भर है। अगर वे इसे ठीक से नहीं चला सकते, तो क्या कर सकते हैं। मैं बस यही कहूंगी कि सबको साथ लेकर चलने की जरूरत है। ममता ने कहा- मुझे मौका मिले तो मैं इस गठबंधन को लीड जरूर करूंगी। मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं यहीं से गठबंधन को चलाऊंगी। मैं यहां मुख्यमंत्री रहते हुए दोनों जिम्मेदारी निभा सकती हूं।

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की मदद लेने के सवाल पर ममता ने कहा- कुछ रणनीतिकार घर बैठे सर्वे करते हैं और बाद में सर्वे को बदल देते हैं। वे चीजों की प्लानिंग कर सकते हैं, व्यवस्थित कर सकते हैं, लेकिन वोटर्स को बूथ पर नहीं ला सकते। सिर्फ बूथ कार्यकर्ता ही गांवों और लोगों को जानते हैं, ये ही लोग चुनाव जिताते हैं। चुनावी रणनीतिकार सिर्फ आर्टिस्ट हैं, जो पैसे के बदले अपना काम करते हैं, लेकिन उनके जरिए चुनाव नहीं जीते जाते हैं। ममता बनर्जी ने कहा, पार्टी तय करेगी कि लोगों के लिए सबसे अच्छा क्या है। हमारे पास विधायक, सांसद, बूथ कार्यकर्ता हैं, यह एक संयुक्त प्रयास है। युवा पीढ़ी या अनुभवी नेताओं को प्राथमिकता देने के बारे में जारी बहस पर बनर्जी ने संतुलित दृष्टिकोण बनाए रखते हुए कहा, हर कोई महत्वपूर्ण है। आज का नवागंतुक कल का वरिष्ठ होगा।

पार्टी तय करेगी की उत्तराधिकारी कौन होगा

ममता से पार्टी में उनके उत्तराधिकारी के बारे में पूछा गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा- टीएमसी एक अनुशासित पार्टी है। यहां कोई भी नेता अपनी शर्तें तय नहीं कर सकता। पार्टी तय करेगी कि लोगों के लिए क्या सबसे अच्छा है। हमारे पास विधायक, सांसद, बूथ कार्यकर्ता हैं, जो तय करेंगे कि मेरे बाद पार्टी कौन संभालेगा। ममता बनर्जी के करीबी नेताओं और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के करीबी नेताओं के बीच मतभेद की स्थिति टीएमसी में लंबे समय से देखने को मिली है। इसे लेकर ममता ने कहा- पार्टी के लिए हर कोई महत्वपूर्ण है। आज का नया चेहरा कल का अनुभवी होगा।

अभिषेक से ममता ने बनाई दूरी?

माना जा रहा है कि ममता बनर्जी ने उत्तराधिकारी को लेकर यह बयान काफी सोचने-समझने के बाद दिया है। बीजेपी लोकसभा से लेकर विधानसभा चुनाव तक जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर देकर विपक्ष पर निशाना साधती है, वह है परिवारवाद। बीजेपी ममता बनर्जी की टीएमसी पर भी परिवारवाद वाली पार्टी बोलकर निशाना साधती है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता इस बात पर जोर देते हैं कि उनकी पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से चलती है जबकि कांग्रेस और टीएमसी जैसी पार्टियां परिवारवाद पर चल रही हैं।

आप कई बड़े चेहरों को चुनाव मैदान से करेगी बाहर

» केजरीवाल काटेंगे टिकट

» पार्टी के नाम पर चुनाव लड़नें को लगेगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव आप के कई बड़े चेहरे चुनाव मैदान से बाहर रहेंगे। वहीं, कई विधायकों के टिकट कटने व कुछ की सीट बदलने की संभावना है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि रणनीतिक तौर पर इस बार ऐसे किसी भी उम्मीदवार को मौका नहीं दिया जाएगा, जो केवल पार्टी के नाम पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। उम्मीदवार तय करते समय क्षेत्र विशेष में प्रत्याशियों की पहचान के साथ जीतने की संभावनाओं को भी परखा जाएगा। इसमें दूसरे दलों से आप में शामिल होने वाले वाले नेताओं से भी कोई भेदभाव नहीं होगा।

पार्टी के तरफ से जारी पहली लिस्ट में ऐसे कई उम्मीदवारों का नाम शामिल था, जो कांग्रेस या भाजपा से आप में शामिल हुए। पार्टी सूत्रों की माने तो इस चुनाव को लेकर पार्टी बड़े स्तर पर काम कर रही है। पार्टी की कोशिश है कि 25 दिसंबर से पहले अधिकतर सीटों पर उम्मीदवारों का नाम तय हो जाए। ऐसे में उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में 10-12 अन्य उम्मीदवारों के नामों की घोषणा हो जाएगी। इन नामों में ऐसे उम्मीदवार शामिल होंगे, जो बीते दिनों कांग्रेस या भाजपा से आप में शामिल हुए हैं।

कई विधायकों से नाराज हैं लोग

पार्टी सूत्रों की माने तो मौजूदा सर्वे में पार्टी को 2013 और 2020 जैसा माहौल नहीं दिख रहा। विधायकों के प्रदर्शन के आधार पर कुछ सीटें कमजोर दिख रही हैं। कुछ सीटों पर मौजूदा विधायकों से लोगों में नाराजगी भी हैं। इन सीटों पर उम्मीदवार को बदलकर माहौल को बेहतर बनाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले कुछ दिनों में कई विधायकों की जगह पर दूसरे नेताओं को चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है।

चल रही चयन प्रक्रिया

पार्टी सूत्रों को माने तो एक-एक करके सभी सीटों पर उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। मौजूदा समय में केवल 20 फीसदी पुराने चेहरे को ही फिर से टिकट मिलने का आश्वासन मिला है। इनमें से भी कई ऐसे उम्मीदवार हैं जिनकी सीट बदली भी जा सकती है।

तुष्टिकरण के नाम पर मुस्लिमों को निशाना मत बनाओ : उमर

» सीएम बोले- सोची समझी साजिश के तहत उठा रहे मस्जिदों के मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस पार्टी के संस्थापक शेख मुहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 119वीं जयंती पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान कहा कि अब एक सोची समझी साजिश के तहत हमारी मस्जिदों को निशाना बनाने की कोशिश की जा रही है। ये बात मैंने बार-बार कही है। उन्होंने कहा कि आप कहते हैं कि आप मुसलमानों का तुष्टीकरण नहीं करेंगे, तो ऐसा न करें, हम तुष्टिकरण नहीं चाहते। लेकिन हमें निशाना मत बनाओ।

अब्दुल्ला ने कहा कि हमारी मस्जिदों, दरगाहों और जिस तरह हम अपने धर्म का पालन करते हैं उस पर हमला करके आप हमें प्रताड़ित कर रहे हैं और यह वह भारत नहीं है जिसका जम्मू-कश्मीर हिस्सा था। यह वह भारत नहीं है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। उमर ने सुखबीर बादल पर हमले को लेकर कहा कि हमले के बाद मैंने उनसे बात की। जाहिर है, कुछ चीजें जो उन्होंने मेरे साथ साझा कीं, लेकिन अगर दिन के उजाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री पर इस तरह से हमला हो सकता है तो ये चिंता की बात है।

मप्र से संविधान नाम की कोई चीज नहीं: पटवारी

» बोले- बीजेपी सरकार में दलितों पर अत्याचार व महिलाओं के साथ बलात्कार बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में संविधान को लेकर सियासत छिड़ गई बीजेपी कांग्रेस के नेताओं में आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। डॉ भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के बीजेपी को संविधान विरोधी बताया है। वहीं बीजेपी ने पलटवार करते हुए समय-समय पर संविधान का गला घोंटने का आरोप लगाया है। अंबेडकर परिनिर्वाण दिवस पर जीतू पटवारी ने एक्स पर लिखा कि बीजेपी सरकार संविधान विरोधी सरकार है। दलितों पर अत्याचार हो रहा है। महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है। मप्र से संविधान नाम की चिड़िया, प्रशासन नाम की चिड़िया कानून नाम की चिड़िया समाप्त हो गई हैं।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बाबा साहब के महापरिनिर्वाण दिवस के मौके पर उन्हें याद करते हुए कहा कि बाबा साहब ने सभी वर्गों को जोड़ने और सामाजिक समरसता की बात कही थी। मगर आज देश के अंदर जातियों के साथ उपजातियों का भेदभाव होने लगा है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, मुसलमान तो ठीक है, हिंदुओं को भी वर्गों में बांटने लगी है। उन्होंने आगे कहा कि आज देश के अंदर बाबा साहब के विचारों और सभी को एकजुट रखने पर चर्चा होनी चाहिए। उमंग सिंघार ने इस अवसर पर कहा कि बाबा साहब अंबेडकर के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता, उनका आदर्श सभी को समानता और न्याय की राह दिखाता है।

कांग्रेस ने की संविधान के साथ 90 बार छेड़छाड़ : आशीष अग्रवाल

कांग्रेस के आरोपों का बीजेपी नेताओं ने जवाब दिया। बीजेपी मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस ने संविधान के साथ 90 बार छेड़छाड़ की है। जीतू पटवारी ने इमरती देवी जो अनुसूचित जाति से आती है उसी जाति से बाबा साहब भी आते हैं वह उनका कितना सम्मान करते हैं, इमरती देवी को लेकर उन्होंने किस तरह का आपत्तिजनक बयान दिया था यह सभी को पता है। उनका बयान घोर निंदनीय, संविधान, बाबा साहब और अनुसूचित जाति का अपमान है। संविधान की तुलना चिड़िया से करने के बाद ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने कहा कि बाबा साहब के बारे में ऐसा बोलना, उस संविधान के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना गलत है।

कंगारुओं ने भारत पर ली 80 रन की बढ़त

» पांच विकेट पर ऑस्ट्रेलिया ने बनाये 260 रन

» बुमराह ने कंगारूओं को दिये तीन झटके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरे मुकाबला पिंक बॉल से एडिलेड ओवल में खेला जा रहा है। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी थी। टीम इंडिया अपनी पहली पारी में 180 रन बना सकी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने मैच के दूसरे दिन पांच विकेट खोकर 280 रन बना लिये हैं। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने मिचेल मार्श को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को पांचवां झटका दिया है।

मार्श 26 गेंदों पर नौ रन बनाकर आउट हुए। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर भारत पर अब तक 80 रन की लीड ले ली है। जबकि अभी उसके पांच विकेट सुरक्षित है। आस्ट्रेलिया के बुमराह ने तीन, नीतीश और अश्विन ने एक-एक विकेट झटके है। बता दें कि आज ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट गंवाए हैं। इनमें नाथन मैकस्वीनी (39), स्टीव स्मिथ (2), मिचेल मार्श नौ और मार्नस लाबुशेन के विकेट शामिल हैं। लाबुशेन ने 64 रन बनाए। मैकस्वीनी और स्मिथ को बुमराह ने आउट किया, जबकि लाबुशेन को नीतीश रेड्डी ने आउट किया। पहले दिन उस्मान ख्वाजा को बुमराह ने आउट किया था। आस्ट्रेलिया को चौथा झटका नीतीश ने दिया जब रेड्डी ने मैदान पर जम चुके मार्नस लाबुशेन को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। वह 126 गेंद में नौ चौके की मदद से 64 रन बना सके। यह उनके टेस्ट करियर का 21वां अर्धशतक रहा।

इंग्लैंड के खिलाड़ी कर सकते हैं द हंड्रेड का बहिष्कार

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नीति में बदलाव के विरोध में इंग्लैंड के 50 प्रमुख खिलाड़ियों का एक समूह अगले साल की द हंड्रेड प्रतियोगिता का बहिष्कार कर सकता है। खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में भाग लेने की बोर्ड से एनओसी की आवश्यकता होती है। रिपोर्ट के अनुसार ईसीबी ने पिछले सप्ताह उन टूर्नामेंटों के लिए एनओसी जारी नहीं करने का मन बनाया है जिनकी तारीखें उनके घरेलू सत्र साथ टकरा रही हैं। इसमें लालाकि उन खिलाड़ियों को छूट मिलेगी जिसके पास अपनी काउंटी टीमों से सिर्फ सीमित ओवरों के क्रिकेट का करार है। एनओसी के लिए जरूरी विदेशी लीगों की इस सूची में लालाकि इंडियन प्रीमियर लीग को शामिल नहीं किया गया है जबकि इसमें पाकिस्तान सुपर लीग का नाम है। ऐसा माना जाता है कि खिलाड़ियों को विदैलिटी ब्लास्ट या द हंड्रेड की तारीखों से मेल खाने वाली किसी भी प्रतियोगिता के लिए एनओसी जारी नहीं की जाएगी।

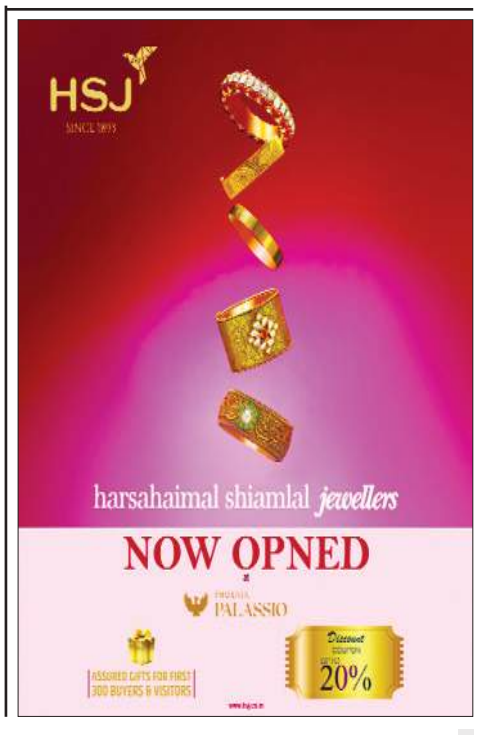

सीएम सोरेन ने बनाया सरकार का रोडमैप

» 16 सूत्रीय एजेंडे पर होगा काम राजधानी में बैठकर नहीं बल्कि गांव से चलेगी सरकार

» मंत्री जिलों में अपने-अपने विभागों की स्थिति की करेंगे समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने अपना रोडमैप क्लियर कर दिया है। सीएम हेमंत सोरेने के कैबिनेट बैठक के बाद सभी मंत्रियों के साथ एक जरूरी बैठक की और उसमें सरकारी रोडमैप पर विस्तृत चर्चा की गयी और विभिन्न योजनाओं को लेकर एक्शन प्लान की रूपरेखा तय की गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में राज्य को एक बेहतर दिशा देने के लिए 15-16 एजेंडे तय किए गए हैं। प्रत्येक विभाग से लेकर मंत्रियों, अफसरों और कर्मियों तक की जिम्मेदारी और भूमिका तय करने पर व्यापक चर्चा हुई है। बैठक में जितने भी बिंदु सामने आए हैं, हम उन्हें लेकर आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार सिर्फ राजधानी से नहीं चलेगी, इसके लिए सभी मंत्री जिलों में अपने-अपने विभागों की स्थिति की समीक्षा करेंगे। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से भी फीडबैक लिया जाएगा। बैठक में मंत्रियों को निर्देश दिया गया कि वे आप्त सचिव और निजी स्टाफ रखते समय उसकी पृष्ठभूमि जरूर देख लें। किसी भी विवादित चरित्र वाले व्यक्ति को मंत्री कार्यालय में स्थान नहीं मिले, यह सुनिश्चित करें। तय हुआ कि मंत्रिपरिषद की बैठकों में विभागों की ओर से भेजे जाने वाले प्रस्ताव पर मंत्री स्वयं संतुष्ट करें। वित्त विभाग, विधि विभाग और कार्मिक विभाग से भी संपर्क कर लें ताकि प्रस्तावों को मंत्रिपरिषद की बैठक में सही समय पर मुकम्मल तौर पर रखा जा सके।

योजनाओं का बारीकी से करें अध्ययन

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, सभी मंत्री विभागीय कार्यकलाप की समीक्षा के दौरान योजनाओं की बारीकियों और उसके गुण-दोष का अध्ययन करेंगे। वैसी योजनाएं, जो लंबे वक्त से लंबित हैं, उसके कारणों की समीक्षा की जाएगी और उन्हें पूरा करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। बैठक में यह बात भी सामने आई कि कई योजनाएं ऐसी हैं, जिसमें आज की स्थिति के अनुसार बदलाव जरूरी है। मंत्री इनकी समीक्षा के बाद इस संबंध में सुझाव पेश करेंगे। मंत्रियों को निर्देश दिया गया कि अगर उनके विभाग की कोई योजना राज्य के किसी क्षेत्र में नहीं चल रही है, तो उसके कार्यान्वयन के लिए प्रस्ताव तैयार करें। सुदूरवर्ती, अनुसूचित जनजाति बहुल एवं पहाड़ी क्षेत्रों में योजना को प्रभावी तरीके से धरातल पर उतारने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

गैर जरूरी निर्माण कार्य से बचेगी सरकार

मंत्रिपरिषद की बैठक में राजस्व की स्थिति पर भी चर्चा हुई। विभागों को निर्देश दिया गया कि राजस्व स्रोतों की समीक्षा कर इसकी बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव तैयार करें। तय हुआ कि भवन निर्माण की योजनाएं अनावश्यक तौर पर नहीं ली जाएं। निर्माण की ऐसी योजनाएं वास्तविक जरूरतों के आकलन के आधार पर ली जाएं। वर्ष 2025-26 में ली जाने वाली योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने, विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति की स्थिति की समीक्षा, कार्यालयों में कर्मियों की जरूरतों और उनकी पदस्थापना में संतुलन बनाने का निर्णय भी बैठक में लिया गया।

सीएम सोरेन ने मंत्रियों को बांटे विभाग, गृह अपने पास रखा

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने नए मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया। उन्होंने गृह, कैबिनेट सचिवालय और कई अन्य विभाग अपने पास रखे। अधिसूचना के मुताबिक, कांग्रेस विधायक राधाकृष्ण किशोर को वित्त विभाग दिया गया है। ऐसे ही झामुमो के चमरा लिंडा को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक विभाग आवंटित किया गया है। राजद के संजय प्रसाद यादव को श्रम, रोजगार और प्रशिक्षण विभाग दिया गया, जबकि कांग्रेस के इरफान अंसारी को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग मिला। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने कार्मिक, प्रशासनिक सुधार और राजभाषा, सड़क निर्माण, भवन निर्माण और अभी तक किसी को भी आवंटित नहीं किए गए विभागों को भी अपने पास रखा। झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार में गुरुवार को कुल 11 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली थी। सोरेन ने खुद 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

कानून का रखें ख्याल

मंत्रिपरिषद ने तय किया है कि प्रत्येक विभाग कोर्ट में लंबित केसों की भी समीक्षा करेगा, ताकि सरकार को ज्यादा से ज्यादा केस में कोर्ट में पराजित न होना पड़े। मंत्रियों को अपने विधानसभा क्षेत्र से बाहर हर जिले में भ्रमण करने और लोगों से मिलकर वहां की समस्याओं से अवगत होने, क्षेत्रीय पदाधिकारियों के बारे में फीडबैक प्राप्त करने का भी निर्देश दिया गया। उन्हें कहा गया है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिलने के लिए तिथि का निर्धारण करें ताकि सभी को सुविधा हो।

किसानों ने सरकार को दिया बातचीत का अल्टीमेटम

» दिल्ली कूच टला, पंजाब में भाजपा नेताओं का घेराव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। एमएसपी लागू करने व अन्य मांगों को लेकर शंभू बॉर्डर पर बैठे पंजाब के किसानों ने दिल्ली कूच रविवार तक टाल दिया। किसानों ने सरकार को आज बातचीत का अल्टीमेटम दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि किसान जत्थेबंदियों के दरवाजे बातचीत के लिए खुले हैं। अगर केंद्र सरकार बातचीत का न्योता देती है, तो मांगों को हल करने की दिशा में कदम उठाया जा सकता है।

पंधेर ने कहा कि शनिवार को पंजाब में भाजपा नेताओं का घेराव किया जाएगा और रविवार को एक बार फिर किसान दिल्ली कूच के लिए निकलेंगे। इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली कूच के लिए आगे बढ़े किसान हरियाणा की सीमा में दाखिल नहीं हो पाए। हरियाणा-पंजाब के बॉर्डर शंभू में हरियाणा पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इससे पुलिस व किसानों में टकराव हुआ जो करीब ढाई घंटे चला। इस टकराव में पुलिस को मिर्ची स्प्रे व आंसू गैस के गोले तक दागने पड़े, जिसमें 15 किसान घायल हो गए। 26 साल के एक किसान हरप्रीत सिंह की हालत नाजुक है। हरियाणा पुलिस के छह जवान भी घायल हुए।

सीएम के पास रिटायर्ड अधिकारियों की फौज: तेजस्वी

बोले - ऐसे बिहार का विकास नहीं होगा, राजद नेता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर फिर एकबार निशाना साधा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा सीएम ने रिटायर्ड अधिकारियों की फौज तैयार कर रखी है। इनसे बिहार का विकास नहीं होने वाला है।

बता दें कि तेजस्वी यादव कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को शेखपुरा पहुंचे। यहां रात्रि विश्राम के पश्चात वह लखीसराय में आयोजित कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। शेखपुरा पहुंचने पर विधायक विजय सम्राट के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। मौके जिलाध्यक्ष शिव कुमार सिंह, युवा जिलाध्यक्ष विनय यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

तेजस्वी यादव बिहार सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि 70वीं बीएससी परीक्षा को लेकर आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इशारे पर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज किया गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं उन्होंने पेपर लीक मामले पर भी सरकार को घेरा और पूरे पेपर लीक मामले में जमकर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि किसी भी पेपर लीक की घटना में नालंदा के माफियाओं की संलिप्ता होती है। उन्होंने कहा कि जिला को दोष नहीं दे रहे है लेकिन शिक्षा माफियाओं पर करवाई होनी चाहिए। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना को 400 से बढ़ाकर 1500 रुपये किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने बिहार वासियों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्ष में रहते हुए भी राजद बिहार में 200 यूनिट मुफ्त बिजली की मांग को लेकर संघर्ष करती रहेगी।

शिक्षकों के लिए राजद का संघर्ष जारी

राजद नेता ने शिक्षकों के मसले पर खुलकर बात की। उन्होंने दावा किया कि उनकी 17 महीने की सरकार के दौरान पांच लाख नौकरियां दी गईं और नियोजित शिक्षकों को नियमित किया गया। तेजस्वी ने वादा किया कि भविष्य में भी उनकी पार्टी शिक्षकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करती रहेगी।

सरकार बनी तो विकास कार्यों में लाएंगे तेजी

तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी सरकार बनी तो विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी और बिहार को एक बेहतर भविष्य की ओर ले जाया जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार और भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनकी नीतियां बिहार को पिछड़ेपन की ओर धकेल रही हैं, जबकि राजद जनता के मुद्दों पर काम करना चाहती। तेजस्वी ने कहा कि किसान आत्महा कर रहे हैं, लेकिन सरकार कुछ नहीं कर रही है। तेजस्वी ने 2025 के बिहार विधानसभा में एनडीए बाय बाय जबकि इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का दावा किया है।

बीजेपी महिला विधायक डिजिटल अरेस्ट

मोदीनगर से बीजेपी महिला विधायक मंजू शिवाच को बनाया साइबर ठगों ने निशाना

» जागरूक विधायक तो बच गयीं लेकिन न जाने कितने लोग आ चुके हैं जद में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बात यहां तक पहुंच गयी है कि अबतो साइबर अपराधियो की जद में आने से माननीय भी सुरिक्षत नहीं रहे। पहले ठग सिर्फ आम जनता को ठगने की कोशिश करते थे। लेकिन अब ठग सिर्फ खास और उचे आहदो पर बैठे लोगों को निशाना बना रहे हैं ताकि ज्यादा माल हड़प सके।

गाजियाबाद में मोदीनगर की भाजपा विधायक मंजू शिवाच को साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेसट करने की कोशिश की लेकिन कामयाब नहीं हा सके। पूरे देश में साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है देश भर में अलग-अलग जगह से लोगों को साइबर अरेस्ट कर उनसे मोटी रकम इन अपराधियों द्वारा ठगी जा रही है। ऐसा ही एक ताजा मामला आज गाजियाबाद के मोदीनगर में सामने आया है जहां मोदीनगर की भाजपा पार्टी की महिला विधायक मंजू शिवाच को साइबर अपराधियों ने कॉल करके अरेस्ट करने का प्रयास किया लेकिन इससे पहले यह अपराधी अपने मंसूबों में कामयाब हो पाते विधायक इन की चाल को भाप गई और इनका फोन डिस्कनेक्ट कर दिया। महिला विधायिका ने इस मामले की रिपोर्ट मोदीनगर थाने में दर्ज कराई है। इस मामले पर जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि सुबह उन्हें एक कॉल आई थी जिस पर दूसरी तरफ से कॉल करने वाले व्यक्ति ने विधायक साहिबा से कहा कि आपका फोन से कॉल बहुत ज्यादा हो रही है और आपके फोन को किसी दूसरे फोन से भी कनेक्ट किया गया है जिस पर चाइल्ड पोर्न फिल्म और आपत्तिजनक सामग्री भेजी जा रही है इसके साथ ही इन साइबर अपराधियों ने बात करते हुए उनसे यह भी पूछा क्या आप इंग्लिश में बात करने में कंफर्ट फील करती हैं या आपसे किसी और भाषा में बात की जाए इसके बाद उन्होंने कहा चाहे आप हिंदी में बात कीजिए या इंग्लिश में मैं दोनों ही भाषाओं में बात कर सकती हूं।

लोगों को जागरूक करने का दिया संदेश

लोगों को जागरूक करने के लिए महिला विधायक ने एक संदेश भी दिया है उन्होंने कहा है कि लोगों के पास अक्सर ऐसे ही साइबर अपराधी कॉल कर कर उन्हें साइबर अरेस्ट कर लेते हैं लेकिन लोगों का जागरूक होना जरूरी है जब भी ऐसी कॉल किसी के पास आए तो वह उसे फोन पर ज्यादा बात ना कर कर अपने पास के थाने को इसकी जानकारी दें अगर वाकई किसी विभाग से कॉल आई होगी तो पुलिस इसकी जानकारी करके उन्हें बता देगी अगर जरा सी सी भी देरी उन्होंने समझने में की तो वह लोग भी इन लोगों के जाल में फंस जाएंगे और ठगे जाएंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।